देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

जवाब दो!!! सरकार

www.jawabdosarkar.com

देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

JAWAB DO SARKAR ™

w w w . j a w a b d o s a r k a r . c o m

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा जारी

सूचना प्रोद्योगिकी(मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता)नियम,2021 के नियम 18 के तहत संचालित पोर्टल

रेफरेंस संख्या –2023/mmp/30 E-Newsletter, Issued in Public Interest शनिवार, 15 जुलाई 2023

जेडीए के मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक रहे श्री रघुवीर सैनी का कार्यकाल बना मील का पत्थर!!!

भूमाफियाओ और अवैध निर्माण करने वालों के लिए खौफ का पर्याय बने श्री सैनी का कार्यकाल रहेगा यादगार!!

श्री सैनी द्वारा खींची गई लकीर से बड़ी लकीर खींचना नए आने वाले अधिकारियों के लिए चुनौती!!

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

जेडीए के मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक रहे श्री रघुवीर सैनी का कार्यकाल बना मील का पत्थर!!!

जेडीए मे अन्य विभागों से अधिकारियों का ट्रांसफर होकर,आना-जाना एक सतत प्रक्रिया है,लेकिन बमुश्किल ही ऐसे चुनिंदा अधिकारी होते है जिनके कार्यकाल को मील का पत्थर माना जा सकता है और जिनके चर्चे कई सालों तक लोग सुनाते रहते है,ऐसे ही एक अधिकारी का हाल ही मे जेडीए से तबादला किया गया है,लेकिन उनके तबादले की खबर से जहां शहर के भूमाफियाओ,अवैध निर्माणकर्ताओ और अतिक्रमियों ने राहत की सांस ली है वही,जयपुर को एक सुनियोजित शहर का सपना देखने वाले जिम्मेदार नागरिकों मे बेचैनी बढ़ा दी है|जेडीए के मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक के पद पर लगातार साढ़े चार वर्ष तक कायम रहे,इन अधिकारी का नाम है " श्री रघुवीर प्रसाद सैनी"|श्री सैनी का साढ़े चार का कार्यकाल, जेडीए के इतिहास मे एक ऐसी लकीर खींच कर गया है,जिससे बड़ी लकीर खींचना इस पद पर आने वाले किसी अन्य अधिकारी के लिए एक चुनौती से कम नहीं है|

प्रवर्तन मतलब मलाईदार पोस्टिंग|

वर्तमान मे जेडीए के प्रवर्तन महकमे मे आई.जी,पुलिस अधीक्षक,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,डिप्टी पुलिस अधीक्षक और पुलिस निरीक्षकों के लिए करीब दो दर्जन अधिकारियों के पद सर्जित है और यहाँ पर तबादला करवाने के लिए राजस्थान के कई पुलिस अधिकारी जेक-चेक का बखूबी इस्तेमाल भी करते रहे है,जेडीए के प्रवर्तन दस्ते मे तबादला होकर आने वाले पुलिस अधिकारियों के लिए यह एक मलाईदार पोस्ट मानी जाती है|पूर्व मे यहाँ पर आने वाले अधिकारियों की गाड़ियां, कार्यवाही-कम और माल-ज्यादा बटोरती थी लेकिन साढ़े चार साल पहले,जबसे जेडीए मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक के पद पर श्री सैनी की तैनातगी हुई,तबसे जेडीए मे माल बटोरने का सपना लेकर आने वाले अधिकारियों के पसीने छूटने लग गए और कई अधिकारियों ने तो जेडीए से अपना तबादला करवाना ही मुनासिब समझा|

शुद्ध मंशा,कर्तव्यनिष्ठा,पारदर्शिता और जवाबदेही

श्री सैनी ने जेडीए मे आते ही अपने ब्रह्म वाक्यों शुद्ध मंशा,कर्तव्यनिष्ठा,पारदर्शिता और जवाबदेही का ऐसा पाठ, अपने मातहतों को पढ़ाया,जिसके चलते उनका साढ़े चार साल का कार्यकाल भूमाफियाओ और अवैध निर्माणकर्ताओ के लिए खौफ का पर्याय बन गया|

JDA रिजन मे अवैध निर्माण,अतिक्रमण एक विकराल समस्या

करीब पाँच साल पहले JDA रिजन मे अवैध निर्माण,अतिक्रमण जैसी समस्या एक विकराल रूप ले चुकी थी|गली-मोहल्लों मे भूमाफिया अपनी मनमर्जी से बिल्डिंगें बनाने मे तल्लीन थे,शहर का ऐसा कोई कोना नहीं था,जहां पर अतिक्रमण नहीं हो रखे थे,शहर के बाहर भूमाफिया अवैध रूप से कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियाँ काटने मे दिन रात बीजी रहते थे|

जीरो टोलरेंस की नीति और "ऑपरेशन वज्र प्रहार"

लेकिन श्री सैनी ने अपना पदभार संभालते ही जीरो टोलरेंस की नीति पर काम करते हुए,जहां एक और सरकारी जमीनो पर अतिक्रमण करने वालों,अवैध फ्लेटस/व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स बनाने वालों और अवैध कॉलोनियाँ काटने वालों पर नकेल कसनी शुरू कर दी वहीं दूसरी तरफ " ऑपरेशन वज्र प्रहार" के तहत शिक्षक भर्ती पेपर लीक प्रकरण के मुख्य आरोपी भूपेन्द्र सारण के निजी आवास,इस कांड मे शामिल मुख्य अभियुक्तों द्वारा संचालित " अधिगम कोचिंग सेंटर" को ध्वस्त कर राज्य मे ***"बुलडोजर कॉप"*** के नाम से भी ख्याति पाई|उनके कार्यकाल मे शोले फिल्म का यह डायलॉग भी पोपुलर हुआ जिसमे भूमाफियाओ और अवैध निर्माणकर्ताओ को उनके परिवार वाले सीख देते नजर आते है कि ***"बेटा!!अवैध निर्माण मत करना, नहीं तो सैनी का बुलडोजर आ जाएगा"***

श्री सैनी के स्वर्णिम कार्यकाल मे प्रवर्तन प्रकोष्ठ की उपलब्धियां|

श्री सैनी के कार्यकाल मे एक व्यवस्थित पारदर्शी और जवाबदेही मेकेनिजम खड़ा किया गया,जिसके तहत संसाधनों के अधिकतम उपयोग के साथ,jda प्रवर्तन को प्राप्त होने वाले शिकायतों के पूर्ण निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित की गई|उनके कार्यकाल मे 92 बड़े अवैध फ्लेटस/व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स व 282 अवैध डूप्लेक्स को ध्वस्त किया गया|179 (8 भवनों मे पुनः सीलिंग) अवैध भवनों को पुख्ता सील लिया गया व 2916 अन्य अवैध निर्माणों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गई|उनके कार्यकाल मे JDA एक्ट की धारा 32-33 के तहत कुल 7195 और धारा 34 क के तहत कुल 263 नोटिस जारी किए गए|

उनके कार्यकाल मे 2434.5 बीघा सरकारी जमीन को अवैध अतिक्रमण-कब्जामुक्त करवाया गया और JDA एक्ट की धारा 72 के तहत कुल 4456 नोटिस जारी किए गए|यही नहीं उनके कार्यकाल मे 823 अवैध कॉलोनियों को भी ध्वस्त किया गया|

उनके द्वारा कई सरकारी भूखंडों/भूमियों को अतिक्रमण मुक्त करवाने से,फलतः उनकी नीलामी कामयाब हो पाई और इसके चलते JDA को करोड़ों रुपयों के राजस्व की प्राप्ति संभव हो पाई|उनके कार्यकाल मे 31,18,782/-रुपये की वसूली अतिक्रमियों से वसूले जा चुके है और 75,73,407/- रुपये की वसूली प्रक्रियाधीन है|उनके कार्यकाल मे 6,18,07,000/- रुपये JDA एक्ट की धारा 32,33,72 के तहत चालान के रूप मे जमा करवाने पर जुर्माना राशि वसूली गई|इसी प्रकार अवैध निर्माण मे प्रयुक्त औजार-सामान की जब्ती पर बेचान पेटे 11,66,755/- एवं जुर्माना पेटे 5,98,100/- की राशि JDA कोष मे जमा करवाई गई|